DESHABANDHU MAHAVIDYALAYA, CHITTARANJAN

Department of Hindi

Syllabus as per New Education Policy

2023-24 Onwards

Syllabus For

B.A. in HINDI

Degree Programme:

3years Degree with Hindi/4 years Degree with Hindi Honours/4years Degree with Hindi Honours with Research

Under

Choice Based Credit System (CBCS)

and

Learning Outcome Based Curriculum Framework

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

ASANSOL

WEST BENGAL- 713340

Student exiting the programmes after securing 40 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/Subject provided they secure following 4 credits in work based vocational courses / summer internship during 1st year

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMJ101

Course Type: **MAJOR (Theoretical)**	Course Details: **MJC-1**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10 वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

<u>इकाई : एक</u>

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

काल विभाजन और नामकरण

<u>इकाई : दो</u>

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-**सांस्कृतिक**, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख **प्रवृत्तियाँ**

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य **परिचय**

<u>इकाई : तीन</u>

भक्तिकाल : सामाजिक-**सांस्कृतिक**, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख **निर्गुण** कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुण काव्यधारा (रामभक्ति काव्य,**कृष्णभक्ति** काव्य)

<u>इकाई : चार</u>

रीतिकाल की सामाजिक-**सांस्कृतिक**, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : **रीतिबद्ध**, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छ:

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध
सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3 हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4 हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5 इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7 साहित्येतिहास :संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
8 हिंदी साहित्य का इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स,नोएडा
9 रीति काव्य की भूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
10 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11 हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली
12 साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13 हिंदी साहित्य का इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
14 हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

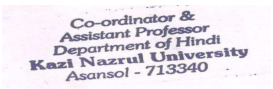

15 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना

17 साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

18 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चंद्रगुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़

19हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMN101

Course Type: **MINOR (Theoretical)**	Course Details: **MNC-1**			L-T-P: **4-1-0**
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10 वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

काल विभाजन और नामकरण

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुण काव्यधारा (रामभक्ति काव्य,कृष्णभक्ति काव्य)

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छः

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1 हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3 हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4 हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5 इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7 साहित्येतिहास :संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
8 हिंदी साहित्य का इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स,नोएडा
9 रीति काव्य की भूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
10 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11 हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली
12 साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

KAZI NAZRUL UNIVERSITY
HINDI DEPTT.
ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

13 हिंदी साहित्य का इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
14 हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना

17 साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

18 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चंद्रगुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
19हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester –I
Course Name : Patrakarita

COURSE CODE : MDC112

Course Type: **MD**	Course Details: MDC-1		L-T-P: 2 **-1 - 0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
2. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के विविध पक्षों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी सृजन कार्य कर सकेंगे और पत्रकारिता क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई-2 प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-3 इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-4. साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : **स्वरूप और संदर्भ-** विनोद गोदरे

2. समाचार, फीचर **लेखन और सम्पादन कला** – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- **अर्जुन तिवारी**

6. **लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता** – धर्मेंद्र गुप्त

7. **जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार**-जगदीश्वर चतुर्वेदी

8. पत्रकारिता संदर्भकोश-- सूर्यकान्त **दीक्षित**

9. पत्रकारिता के विविध आयाम--रामचंद्र तिवारी

10. हिंदी के यशस्वी पत्रकार-- **क्षेमचंद** सुमन

11. समाचार और प्रारूप लेखन-- सुभाष धूलिया

12. राष्ट्रीय नवजागरण-**हिंदी पत्रकारिता**-- मीरा रानी बल

13. आधुनिक पत्रकार कला--**विष्णुदत्त शुक्ल**

14. सूचना का अधिकार-- सं० **हरिवंश**

15. आधुनिक पत्रकारिता-- **अर्जुन तिवारी**

16. मीडिया समग्र (**11** खंड) --**जगदीश्वर चतुर्वेदी**

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw

Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-I

Course Name: Hindi Vyakaran Aur Sampreshan **(MIL COMMUNICATION)**

Course Code: AECH101

Course Type: **AE** **(Theoretical)**	Course Details: **AEC-1**		L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:

काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय
उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई-2 :
शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
पल्लवन और संक्षेपण

इकाई-3:
संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :
अध्ययन, वाचन और चर्चा : प्रक्रिया और बोध
साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

1. संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
2. हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
4. हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
5. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
7. हिंदी क्रियाओ कि रूप–रचना – बद्रिनाथ कपूर
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा
9. वाक्या-संरचना और विश्लेशण - बद्रिनाथ कपूर
10. मानक हिंदी के शुद्ध प्रयोग (1-4) – रमेशचंद्र महरोत्रा

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-I

Course Name: KARYALAYI HINDI

Course Code: BAHINSE101

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-1**			L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।
2. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई:**2-**प्रशासनिक पत्राचार : **सरकारी पत्र**, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना

इकाई-3: **कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका**, कार्यालयी अनुवाद

इकाई-4: कार्यालयी और **साहित्यिक अनुवाद में अंतर**, अनुवाद की समस्याएं

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1. प्रयोजनमूलक हिंदी :**सिद्धांत और प्रयोग**– दंगल झाल्टे
2. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार—ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी
4. राजभाषा हिंदी –प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
5. नागरी लिपि : **लिपि और वर्तनी**--अनंत चौधरी
6. **नागरी लिपि और उसकी समस्याएं** --नरेश शर्मा
7. व्यवहारिक हिंदी --**रवींद्रनाथ श्रीवास्तव**
8. राष्ट्रभाषा हिंदी : **समस्याएं और समाधान** --देवेंद्रनाथ शर्मा
9. हिंदी आलोचना और टिप्पणी --ओमप्रकाश शर्मा
10. अनुवाद अनुसृजन -- सं. : ए. अरविंदाक्षन

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMJ201

Course Type: **MAJOR (Theoretical)**	Course Details: **MJC-2**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1.विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों, कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2.विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्ति के तल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. बारह महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Content/ Syllabus:

<u>इकाई : एक</u>

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं. माधव हाड़ा से 5 -5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय, 3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल ।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (<u>विद्यापति – सं. शिवप्रसाद सिंह</u> से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **5.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

<u>इकाई: दो</u>

कबीर (<u>कबीर ग्रंथावली –सं. श्यामसुंदर दास</u> से 5 पद) : 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16) **2**. चलन चलन सब कोई कहत है, **न जाने बैकुण्ठ कहाँ है** (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4**. पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5**.माया तजूं तजी नहीं जाइ(84)

रहीम (रहीम—सं. माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर।(7) 2. ओछो काम बड़े करैं, तौ न बड़ाई होय।(21) 3. **चिंता बुद्धि परेखिए** , टोटे परख त्रियाहिं।(57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि रहीम यह देह। (73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय ।(84) 6. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल। (135) 7. मान सहित विष खाय के , संभु भये जगदीस ।(157) 8. रहिमन ओछे नरन सों, **बैर भलो ना प्रीति**।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय।(272)

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ढाढ़ी भई। 2. सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोर काई। 3. धरी तीर सब छीपक सारी । सरवर महँ पैठी सब बारी। 4. सखी एक तेईं खेलन जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना। 5. कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई ।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2.** ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), 5. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं. धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) 4. आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **5**. निरगुन कौन देस कौ बासी ?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं.विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1. आली री म्हारे णैणा बाण पड़ी

2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां **3.** जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट
4. को बिरहिनी को दुःख जांणै हो 5. राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL
Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340
Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) **5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.** तजि तीरथ हरि राधिके(201) 7. कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **8.** दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै दुःख-दंदु (357) **9.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **10**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (<u>घनानंद कवित्त –सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र</u> से 5 पद) : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) **4**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **5**. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

<u>इकाई</u>: <u>छ:</u>

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमगै वह बैनी 2. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ 3. हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस कौं पग धारों 4. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवौं करौ 5. हैं नहि माइको मेरी भटू यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (<u>स्वर्ण मञ्जूषा– सं. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार</u> से 5 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **3.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **4.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **5**. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन-- सं० पल्लव, आधार प्रकाशन, हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री-- माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैद हि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अकिंचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुर्रहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMN201

Course Type: **MINOR (Theoretical)**	Course Details: **MNC-2**		L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1.विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों,कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2.विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्ति काल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे ।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी,ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Content/ Syllabus:

<u>इकाई : एक</u>

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं. माधव हाड़ा से 5 -5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय, 3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल ।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (<u>विद्यापति – सं. शिवप्रसाद सिंह</u> से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **5.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

<u>इकाई: दो</u>

कबीर (<u>कबीर ग्रंथावली –सं. श्यामसुंदर दास</u> से 5 पद) : 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16) **2**. चलन चलन सब कोई कहत है, **न जाने बैकुण्ठ कहाँ है** (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4**. पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5**.माया तजूं तजी नहीं जाइ(84)

रहीम (रहीम—सं. माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर।(7) 2. ओछो काम बड़े करैं, तौ न बड़ाई होय।(21) 3. **चिंता बुद्धि परेखिए** , टोटे परख त्रियाहिं।(57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि रहीम यह देह। (73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय ।(84) 6. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल। (135) 7. मान सहित विष खाय के , संभु भये जगदीस ।(157) 8. रहिमन ओछे नरन सों, **बैर भलो ना प्रीति**।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय।(272)

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई । जाइ पालि पर ढाढ़ी भई । 2. सरवर तीर पदुमिनी आई । खोंपा छोरि केस मोर काई । 3. धरी तीर सब छीपक सारी । सरवर महँ पैठी सब बारी । 4. सखी एक तेईं खेलन जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना । 5. कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई ।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2.** ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), 5. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं. धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) 4. आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **5**. निरगुन कौन देस कौ बासी ?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं.विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1. आली री म्हारे णैणा बाण पड़ी

2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां **3.** जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट
4. को बिरहिनी को दुःख जांणै हो 5. राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) **5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.** तजि तीरथ हरि राधिके(201) 7. कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **8.** दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

दुःख-दंदु (357) **9.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **10**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (<u>घनानंद कवित्त –सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र</u> से 5 पद) : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-**आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी** (10) 3**.** रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-**नयो लागत ज्यौं**-ज्यौं निहारियै (15) **4**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **5**. **पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है** लेख्यौ (97)

<u>इकाई</u>: <u>छ:</u>

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमगै वह बैनी 2. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ 3. हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस कौं पग धारों 4. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवौं करौ 5. हैं नहि माइको मेरी भटू यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (<u>स्वर्ण मञ्जूषा– सं. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार</u> से 5 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **3.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **4.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **5**. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

<u>सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. अमीर खुसरो- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन-- सं० पल्लव, आधार प्रकाशन, हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री-- माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैद हि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अकिंचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुर्रहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-II

Course Name : Anuvad Vigyan

COURSE CODE : MDC216

Course Type: **MD** **(Theoretical)**	Course Details: MDC-2		L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी अनुवाद के प्रयोजन और प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
3. विद्यार्थियों में अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी ।
4. अनुवाद की प्रयोजन तथा प्रक्रिया की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

Content/ Syllabus:

इकाई -1. अनुवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रकार और क्षेत्र

इकाई -2- भारत में अनुवाद की परम्परा का विकास

इकाई -3. अनुवाद : महत्त्व, समस्याएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

इकाई-4. अनुवाद का प्रायोगिक पक्ष (हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत और अनुप्रयोग, सं- डाॅ. नगेंद्र
2.अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, कुमार सुरेश
3.अनुवाद विविध आयाम,चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी,
4.अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि,भोलानाथ तिवारी
5.अनुवाद कला कुछ विचार, आनंद प्रकाश खेमाज-
6.अनुवाद विज्ञान,भोलानाथ तिवारी-
7.अनुवाद विज्ञान भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी-
8.अनुवाद का समकाल- डॉ मोहसिन खान
9.अनुवाद का नया विमर्श- श्रीनारायण समीर
10. अनुवाद की समस्याएं- जी.गोपीनाथन
11. अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग-जी.गोपीनाथन

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-II

Course Name: Social Media

Course Code: BAHINSE201

Course Type: SE **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-2**			L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के विविध आयामों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी मीडिया की निरंतर बदलती हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे।
3. इंटरनेट के उपयोग को जान पाएगा ।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू-ट्यूब, फेसबुक

इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन की अवधारणा

इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया का प्रभाव

इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर, स्नैपचैट

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
2- जनसम्पर्क स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद\
3- हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द सुमन
4- राष्ट्रीय नवजागरण-हिन्दी पत्रकारिता : मीरा रानी बल
5- सूचना का अधिकार : सं० हरिवंश
6- मीडिया समग्र (11 खण्ड) : जगदीश्वर चतुर्वेदी
7- नये जन – संचार माध्यम और हिंदी – सं. : सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
8- हिंदी वेब साहित्य – सुनील कुमार लवटे

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Student exiting the programmes after securing 40 credit will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 1st year

Semester –II

Course Name: Summer Internship （**Hindi Bhashi Samaj Ka Sarvekshan)**

Course Code: SI201

Course Type: **SI**	Course Details: SIC-1			L-T-P: 0-**0-8**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	**NA**	20	**NA**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. हिंदी भाषी समाज का सामाजिक ,सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं आर्थिक स्थितियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. हिंदी भाषी समाज की विकास की प्रेरणा उत्पन्न होगी।

3. हिंदी भाषी समाज की समस्याओं को दूर करने की भावना उत्पन्न होगी।

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw

Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Content/ Syllabus:

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें **न्यूनतम** दस परिवार आते हों , का सामाजिक , **सांस्कृतिक** ,ऐतिहासिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए 5000 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी ।

Semester –III

Course Name : Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha

COURSE CODE : BAHINMJ301

Course Type: **MAJOR** **(Theoretical)**	Course Details: MJC-3			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. **विद्यार्थी हिंदी भाषा के विकास क्रम और उसकी बोलियों की पूर्ण जानकारी** प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी भाषा की ध्वनियों और समय-समय पर उन में हुए परिवर्तन को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी राजभाषा, **राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी भाषा के महत्व** को समझ सकेंगे।
4. **विद्यार्थी को हिंदी भाषा** का समुचित और तर्कसंगत ज्ञान हो सकेगा।

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

Content/ Syllabus:

इकाई-1: भाषा :परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान:सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग, अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई-2: ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई- 3: हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ,सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास

इकाई- 4: अर्थ विज्ञान **:** परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई- 5: वाक्य विज्ञान **:** परिभाषा, प्रकार और वाक्य-परिवर्तन

इकाई-6: हिंदी के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा,राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण

संदर्भ ग्रंथ :

1- भाषा विज्ञान प्रवेश एंव हिंदी भाषा—डॉ.भोलानाथ तिवारी
2- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्र नाथ शर्मा
3- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ.भोलानाथ तिवारी
5- हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
6- प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
7- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
8- व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
9- मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
10- मानक हिंदी स्वरूप और संरचन—डॉ.रामप्रकाश
11- परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर
12- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग-गोपीनाथ श्रीवास्तव
13 - हिन्दी क्रियाओं की रूप-रचना- बद्रीनाथ कपूर
14- अच्छी हिन्दी- माधव सोनटक्के
15 - हिन्दी प्रयोग- रामचन्द्र वर्मा, बदरीनाथ कपूर
16 - बोलचाल की हिन्दी- सुशीला गुप्ता

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester –III

Course Name: Aadhunik Hindi Kavya : Chhayavad Tak

COURSE CODE : BAHINMJ302

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-4			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1)भारतेंदु युग से छायावाद युग तक के कवियों का परिचय करवाना।

2)छायावाद युग तक के कवियों तथा काव्य-संग्रहों से परिचित करवाना।

3)छायावादी काल तक के कवियों के अवदान से परिचित करवाना।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

भारतेंदु हरिश्चंद्र :- दशरथविलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये ज़माने की मुकरियाँ (भारतेंदु समग्र से)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद सं॰ 26-से तक 50)

इकाई दो :

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

मैथिलीशरण गुप्त :- हम कौन थे क्या हो गए, **सखि वे मुझसे कहकर जाते**, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, **पुष्प विकास**

<u>इकाई तीन :</u>

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री, मेरे नाविक, **पेशोला की प्रतिध्वनि**
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :बादल राग- 6, जागो फिर एक बार, **स्नेह निर्झर बह गया है**

इकाई चार :

सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार, ताज, भारत माता

महादेवी वर्मा : विरह का जलजात जीवन, मधुरमधुर मेरे दीपक जल-, हे चिर महान

इकाई पाँच :

सुभद्रा कुमारी चौहान : जलियाँवाला बाग में बसंत, **ठुकरा दो या प्यार करो**, झांसी की रानी की समाधि पर

रामकुमार वर्मा : हे ग्रामदेवता, किरण कण ,मौन करुणा

इकाई छह :
सोहन लाल द्विवेदी : कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, नववर्ष, नैनों की रेशम डोरी से
माखन लाल चतुर्वेदी : कैदी और कोकिला, मरण ज्वार, सौदा

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ –संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती– मैथिलीशरण गुप्त,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरागुप्त मैथिलीशरण -, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद अज्ञेय-निराला-–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड-2,रामविलास शर्मा- , राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला आत्महंता आस्था :दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव :, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पन्त जीवन और साहित्य :भाग(2), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. मैथिलीशरण गुप्त, नंदकिशोर नवल -, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली (खंड- 3) सं - ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र, सं- हेमंत शर्मा, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
17. राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी, डॉ. राष्ट्रबंधु, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
18. डॉ.रामकुमार वर्मा की साहित्य साधना, संपादक डॉ. चंद्रिका प्रसाद शर्मा,साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
19. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि डॉ रामकुमार वर्मा, डॉ. राधाकृष्ण श्रीवास्तव, राजपाल एंड संस,दिल्ली
20. डॉ. रामकुमार वर्मा के काव्य का मूल्यांकन, डॉ. प्रभा भटू,अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
21. विद्रोहिणी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान,सं. डॉ.शिवनारायण,विशाल पब्लिकेशन, पटना

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-III

Course Name: Aadhunik Hindi Kavya

COURSE CODE- BAHINMN301

Course Type: **MINOR** (**Theoretical**)	Course Details: MNC-3			L-T-P: 4-**1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	30	……	7**0**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम को समझ सकेंगे।-
2. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के सामाजिकसांस्कृतिक संदर्भों को समझ सकेंगे।-
3. विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता की संवेदना और शिल्प की समझ विकसित होगी।
4. विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंतसंबंध को ब:ेतर समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 - i) प्रसाद – पेशोला की प्रतिध्वनि , ले चल वहां भुलावा देकर
ii) निराला – राजे ने रखवाली की, कुकुरमुत्ता

इकाई-2- i) पंत – प्रथम रश्मि, छोड़ द्रुमों की मृदु छाया
ii) महादेवी वर्मा पंथ होने दो अपरिचित, अब वरदान कैसा

इकाई-3 - i) अज्ञेय – बावरा अहेरी, नदी के द्वीप

ii) मुक्तिबोध – लकड़ी का रावण, भूलगलती

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई-**4** – i) नागार्जुन – प्रतिबद्ध हूं, गुलाबी चूड़ियां
ii) केदारनाथ अग्रवाल – आज नदी बिल्कुल उदास थी, जो शिलाएं तोड़ते हैं

इकाई-**5.** i) धर्मवीर भारती—टूटा पहिया, थके हुए कलाकार से
ii) कुंवर नारायण –अबकी बार लौटा तो, नई किताबें

इकाई-**6.** i) कात्यायनी—अपराजिता, गार्गी
ii) जसिंता केरकेट्टा – सभ्यताओं के मरने की बारी; नदी, पहाड़ और बाजार

संदर्भ ग्रंथ :-

1. समकालीन हिंदी कविता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य – ओम निश्चल, विजया बुक्स , विजया बुक्स, नई दिल्ली
2. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
4. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
6. मुक्तिबोध की काव्यप्रक्रिया : अशोक चक्रधर
7. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा
8. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
9. सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेंद्र
10. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ0 पन्ना
11. केदारनाथ अग्रवाल रचना संचयन -- संपादक पुंडरीक नरेंद्र :
12. चुनी हुई कविताएँ (संपादक : नरेंद्र पुंडरीक) रचनाकार : केदारनाथ अग्रवाल प्रकाशन : अनामिका प्रकाशन संस्करण : 2011
13. प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल – सं. रामविलास शर्मा, प्रकाशन- साहित्य भंडार

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-IV

Course Name:Hindi Upanyas

COURSE CODE : BAHINMJ401

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-5			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भारतीय जीवनमूल्यों और मानवीय संदर्भों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद के साहित्य में प्रतिबिंबित समाज और उनकी भाषा शैली से अवगत होते हुए नई चिंतन दृष्टि से समृद्ध हो सकेंगे।
3. जैनेन्द्र का जीवन परिचय और साहित्यिक लेखन से परिचित होते हुए त्यागपत्र उपन्यास में मनुवादी व्यवस्था के अंतर्गत स्त्री की यतनापूर्ण स्थिति को जान सकेंगे।
4. ग्लोबल गाँव के देवता, उपन्यास से छात्र आदिवासी समाज की स्थानीय समस्याओं को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद
इकाई-2:त्यागपत्र — जैनेन्द्र
इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी
इकाई- 4 : रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
इकाई- 5 दौड़ –ममता कालिया
इकाई- 6 झूलानट—मैत्रेयी पुष्पा

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

संदर्भ ग्रंथ :

1- प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
2- प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
3- प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
4- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
5- हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा—रामदरश मिश्र
6- आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
7- उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
8- हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
9- उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
10- प्रेमचंद के उपन्यसों का शिल्प विधान—कमल किशोर गोयंका
11- मैला आंचल – मधुरेश
12- फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय
13- ममता कालिया-सृजनात्मकता के आयाम -3 , संपादक – पल्लव , नई किताब प्रकाशन समूह, दिल्ली – 110032
14- ममता कालिया : पलपल पुनर्नवा सृजन सरोकार,वर्ष 6/अंक-2-3 /जनवरी-जून, नई दिल्ली– 110063
15- ममता कालिया विशेषांक, लमही पत्रिका, संपादक – विजय राय, लखनऊ, जुलाई- सितंबर
16. श्रीलाल शुक्ल की दुनिया, सं. अखिलेश
17. शुक्ल: विचार विश्लेषण एवं जीवन, प्रेम जनमेजय

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-IV
Course Name: Hindi Kahani
COURSE CODE : BAHINMJ402

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-6			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद की कहानी, **सवा सेर गेहूं के माध्यम से किसानों के संघर्ष और पीड़ा से** परिचित हो सकेंगे।
3. **प्रसाद की कहानियों के माध्यम से प्रेम और उत्सर्ग के उदात्त भाव को आत्मसात्** कर राष्ट्रप्रेम के महत्व को समझ सकेंगे।
4. **बदलते परिवेश में कहानियों** के प्रतिपाद्य का विवेचन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 (क) प्रेमचंद - **सवा सेर गेहूँ**

(ख) जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-2 (क) जैनेंद्र - अपना - **अपना भाग्य**

(ख) अज्ञेय – गैंग्रिन

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

इकाई-3 (क) रेणु—**लालपान की बेगम**

(ख) अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-4 (क) उषा प्रियंवदा – वापसी

(ख) ज्ञानरंजन—पिता

इकाई-5 (क) संजीव – बाघ

(ख) उदय प्रकाश- **दरियाई घोड़ा**

इकाई-6 (क) नासिरा शर्मा—**पत्थर गली**

(ख) मधु कांकरिया—**नामर्द**

संदर्भ ग्रंथ --

1) मानसरोवर भाग-4 - **प्रेमचंद**

2) प्रतिनिधि कहानियाँ - **जयशंकर प्रसाद**

3) प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र

4) सम्पूर्ण कहानियाँ - **उषा प्रियंवदा**

5) प्रतिनिधकहानियाँ - **निर्मल वर्मा**

6) प्रतिनिधि कहानियाँ - अमरकांत

7). हिंदी कहानी : **उद्भव और विकास** – डॉ. सुरेश सिंहा

8). हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इंद्रनाथ मदान

9). कहानी : नयी कहानी – **नामवर सिंह**

10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

11). नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय

14). दलित साहित्य : बुनियाद सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल

15). यशपाल – मधुरेश

16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी

17) बीतते हुए – मधु काँकरिया

18) रेणु शतवर्ष विशेषांक - (मुक्तांचल पत्रिका, अंक २३) – जनवरी – मार्च २०२१- सं. मीरा सिन्हा

19. संवेद, रेणु विशेषांक, सं. किशन कालजयी, अंक-123, मार्च-2021

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester-IV
Course Name: Prayojanamoolak Hindi

COURSE CODE :BAHINMN401

Course Type: MINOR	Course Details: MNC-4			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भाषा को शुद्ध रूप से पढ़ना, लिखना और बोलना सीखेंगे |
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपादेयता को समझ सकेंगे।
3. प्रशासनिक पत्राचार के स्वरूप और प्रकार को समझते हुए, प्रशासनिक पत्रों का मसौदा तैयार कर सकेंगे।
4. कार्यालयी हिन्दी मे अनुवाद की आवश्यकता से परिचित होने के अलावा कार्यालयीन अनुवाद की समस्या और चुनौतियों को भी जान सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र

इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा,परिपत्र , अधिसूचना

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई-4: कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियां

इकाई-5: अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं , कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर

इकाई-6: पारिभाषिक शब्दावली : 50 शब्द

1. Advance. – अग्रिम
2. Agreement – अनुबंध
3. Assured – विमित
4. Balance sheet. – तुलनपत्र
5. Book credit - खाता-उधार
6. Borowed note - जमानती रुका
7. Call money - शीघ्रावधि द्रव्य
8. Confiscation. – अधिहरण
9. Contract. – संविदा
10. Disbursement. – संवितरण
11. Dividend – लाभांश
12. Exchange – विनिमय
13. Follow up – अनुवर्तन
14. Goodwill. – सुनाम
15. Import. – आयात
16. Inflation – स्फीति
17. Instrument – प्रपत्र
18. Investment – निवेश
19. Issue. – निर्गम
20. Liability – देयता
21. Margin - लाभ – सीमा
22. Negotiability – पराक्राम्यता
23. Promissory note- रुका
26 Abatement – अवसान
27 Abolition - उन्मूलन
28 Accusation – अभियोग
29 Ad-hoc - तदर्थ
30 Admissibility - स्वीकार्य
31 Afforesaid - पूर्वोक्त
32 Appendix - परिशिष्ट
33 Bonafides - सद् भाव
34 Charge- प्रभार
35 Clerical Error - लेखन अशुद्धि
36 Consent – सहमति
37 De jure - विधित
38 . Dictation – श्रुतलेख
39 Dissent – असहमति
40 Efficiancy Bar - दक्षता रोक
41 Equipment – उपस्कर
42 Ex - officio – पदेन
43 Forwarding letter- अग्रसरण पत्र
44 Immigration- आवास
45 Initials – आद्यक्षर
46 joining Report- कार्यारंभ प्रतिवेदन
47 Modus Operandi- कार्य – प्रणाली
48 Personnel- कार्मिक

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

	Returning officer - निर्वाचन
24. Risk. – जोखिम	49 अधिकारी
25. Under writing –. जोखिम अंकन	50 Workshop - कार्य-गोष्ठी

नोट - [प्रशासनिक शब्दावली](#) (वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग)

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. **हिंदी पत्रकारित और जनसंचार**—ठाकुरदत्त आलोक
3. **प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग**—दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी
5. राजभाषाहिंदी: प्रकाशनविभाग, भारत सरकार
6. नागरी लिपि : **लिपि और वर्तनी**: अनंत चौधरी
7. **नागरी लिपि और उसकी समस्याएं** : नरेश शर्मा
8. व्यवहारिक हिंदी :**रवींद्रनाथ श्रीवास्तव**
9. राष्ट्रभाषा हिंदी :**समस्याएं और समाधान**: देवेंद्रनाथ शर्मा
10. हिंदी आलोचना और टिप्पणी :ओमप्रकाशशर्मा
11. राजभाषा हिंदी : भोलानाथ तिवारी

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

Semester –IV

Course Name : Vigyapan Aur Hindi

COURSE CODE : BAHINSE-401

Course Type: SE	Course Details: SEC-3			L-T-P: **2 - 1 – 0**	
Credit: 3	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	15	……	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी विज्ञापन के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में विज्ञापन लेखन कौशल का विकास हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:विज्ञापन की परिभाषा, प्रकार और उद्देश्य
इकाई-2 : विज्ञापन : परम्परा और विकास, समाज और संस्कृति पर प्रभाव
इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग
इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
2- मीडिया लेखन—डॉ.यू.सी. गुप्ता
3- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ.यू.सी. गुप्ता
4- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
5- जनसम्पर्क, स्वरुप और सिद्धांत—डॉ.राजेंद्र प्रसाद
6- प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7- प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
8- विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी— कैलाश नाथ पाण्डेय
9- विज्ञापन और जनसम्पर्क— डॉ. मुक्ति नाथ झा, सुधांशु श्री वास्तव
10-जन–सम्पर्क के विविध आयाम— पवित्रा श्रीवास्तव, सी. के. सरदाना

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL - 713 340

Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator & Assistant Professor Department of Hindi Kazi Nazrul University Asansol - 713340

Student exiting the programmes after securing 84 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 2nd year

Semester –IV

Course Name: Summer Internship (Hindi Sevi Sansthano Ka Sarvekshan)

Course Code: SI401

Course Type: **SI**	Course Details: SID-1			L-T-P: 0-**0-8**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	**NA**	20	**NA**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम के तहत **विद्यार्थी** किसी संस्थानों का सर्वेक्षण करने की पद्धति को सीख पाएंगे ।
2. इस पाठ्यक्रम के तहत **अहिन्दी** भाषी क्षेत्रों में हिंदी सेवी संस्थानों का हिंदी के प्रचार प्रसार के योगदान को जान पाएंगे ।

निर्देश :- छात्रों को किसी एक **विद्यालय**, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, शोध **संस्थान** , पुस्तकालय तथा हिंदी सेवी संस्था के हिंदी **सम्बंन्धी** योगदान का सर्वेक्षण करते हुए अधिकतम 5000 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Kaju Kumari Shaw

Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

DESHABANDHU MAHAVIDYALAYA, CHITTARANJAN

Department of Hindi

OLD SYLLABUS

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)

प्रथम पत्र (First Paper)

COURSE TYPE : CC-1

COURSE CODE : BAHHINC101

हिंदी साहित्य का इतिहास(रीतिकाल तक)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा |

काल विभाजन और नामकरण |

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य ।

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय ।

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा(संत काव्य, सूफी काव्य), सगुण काव्यधारा(रामभक्ति काव्य,कृष्णभक्ति काव्य) ।

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त ।

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स,नोएडा
9. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली

12. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

13. हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली

14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना

17. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

18. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़

19. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

20. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

21. सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

22. हिंदी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास, भाग-एक : डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

23. साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)

COURSE TYPE : CC-2

COURSE CODE : BAHHINC102

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन

प्रश्न		अंक
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई : एक

विद्यापति (विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह से **7 पद) : 1.** विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल, स्रवनक पथ दुहु लाचन लेल(11) **5.** को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **6.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54) **7.** सरसिज बिनु सर सर बिनु सरसिज(83)

कबीर (कबीर ग्रंथावली –श्यामसुंदर दास से **7 पद) :** 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16) **2.** चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4.** पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5.**माया तजूं तजी नहीं जाइ(84) **6**. मन रे तन कागद का पुतला(92) **7.** हरि जननि मैं बालक तोरा(111) **.**

इकाई : दो

सूरदास (सूरदास सटीक –धीरेन्द्र वर्मा से **7 पद) : 1.** अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) **3.** मुरली तऊ गुपालहिं भावति(गोकुल

लीला : 42) **4**. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) **5.** कोउ ब्रज बांचत नाहिंन पाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.** आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुन कौन देस कौ बासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से **7 पद) :** - **1.** मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2**. ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबन जरत जुर, परै न कल कहीं(98) **6.** धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106), **7.** लालची ललात बिललात द्वार-द्वार दीन, बदन मलीन, मन मिटै ना बिसूरना (148)

इकाई : तीन

मीराबाई (मीरा का काव्य-विश्वनाथ त्रिपाठी से **7 पद) : 1.** आली री म्हारे णणा बाण पड़ी **2.** म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां **3.** जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट **4.** को बिरहिनी को दुःख जांणै हो **5.** पतियां मैं कैसे लिखूं, लिख्योरी न जाय **6**. भज मन चरण कंवल अवणासी 7**.** राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर से **15 दोहे) : 1.** बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) **5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.** तजि तीरथ हरि राधिके(201) **7.** आड़े दे आले बसन जाड़े हूं की रात(283) **8.** सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.** कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **10.** लिखन बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर(347) **11.** दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै दुःख-दंदु (357) **12.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **13**. समै समै सुन्दर सबै, रूप कुरूपु न कोई(432) **14**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472) **15**. लटुआ लौं प्रभ-कर गहैं निगुनी गुन लपटाइ(501)

इकाई : चार

भूषण (स्वर्ण मञ्जूषा–नलिनविलोचन शर्मा, केसरी कुमार से **7 पद) : 1.** पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2**. जै जयति, जै आदि-सकति जै कालि, कपर्दिनि(3) **3.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **4.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **5.** मद-जलधरन दुरद-बल राजत(12) **6.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **7**. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

घनानंद (घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से **7 पद)** : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) **3.** तब तो छबि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे(13) **4.** रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) **5**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **6**. घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ जिहि भांतिन हौं दुःख-सूल सहौं (88) **7**. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

24. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
26. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
27. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
28. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
29. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
31. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
32. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
33. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
35. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
36. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
37. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
38. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
39. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
40. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

41. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

42. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

43. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

44. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

45. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1

COURSE CODE : BAHHINGE101

(क) हिन्दी सिनेमा

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई-1: हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: हिन्दी सिनेमा में भारतीय समाज
समाज पर हिन्दी सिनेमा का प्रभाव

इकाई-3: हिन्दी सिनेमा के गीत :वस्तु और शिल्प

इकाई- 4 :फिल्म समीक्षा

1- मदर इंडिया
2- तीसरी कसम
3- शोले
4- तारे जमीं पर

सहायक ग्रंथ :

1- हिन्दी सिनेमा का इतिहास- मनमोहन चड्ढा
2- सिनेमा आज और कल –विनोद भारद्वाज
3- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रकाशन विभाग
4- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रहलाद अग्रवाल
5- सिनेमा का जादुई सफर –प्रताप सिंह

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1

COURSE CODE : BAHHINGE102

(ख) टेलीविज़न के हिन्दी चैनल

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई-1: टेलीविजन के हिन्दी चैनल : संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: टेलीविजन के हिन्दी चैनल :

1- समाचार चैनल
2- मनोरंजन चैनल
3- बच्चों के चैनल
4- ज्ञान –विज्ञान के चैनल

इकाई-3 : टेलीविजन के हिन्दी चैनल : भाषा

इकाई- 4 : टेलीविजन के हिन्दी चैनल : मूल्यांकन

1- आज तक
2- एपिक
3- पोगो
4- डी.डी .भारती

सहायक ग्रंथ :

1- टेलीविजन की भाषा – हरिश्चंद्र बरनवाल
2- टेलीविजन लेखन –असगर वजाहत,प्रभात रंजन
3- मीडिया समग्र- 11खंड – जगदीश्वर चतुर्वेदी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-3

COURSE CODE : BAHHINC201

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई -1: आधुनिक काल :

- नवजागरण : सामान्य परिचय ।
- भारतेन्दु युग : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।
- द्विवेदी युग : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -2 : छायावाद : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -3 : छायावादोत्तर काव्य : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -4 :

- हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास।
- हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास।
- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ।

सहायक ग्रंथ :-

सहायक ग्रंथ:

1- हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

1- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
2- छायावाद – नामवर सिंह
3- हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास – बच्चन सिंह
4- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
5- हिन्दी साहित्य का इतिहास –(संपादक) नगेन्द्र
6- हिंदी साहित्य कोश – भाग 1 तथा 2

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-4

COURSE CODE : BAHHINC202

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई : एक

भारतेंदु : दशरथ-विलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये ज़माने की मुकरी(भारतेंदु समग्र से)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद सं०-26 से 83 तक)

इकाई : दो

मैथिलीशरण गुप्त : हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास(कविता कोश से संग्रहित)

इकाई : तीन

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री , मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल कलह में, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग-6, जागो फिर एक बार, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है

इकाई : चार

सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार, ताज, यह धरती कितना देती है, भारत माता

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुःख की बदली, विरह का जलजात जीवन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, हे चिर महान

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ –संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती– मैथिलीशरण गुप्त,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरा- मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद-निराला-अज्ञेय –रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड-2, -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला : आत्महंता आस्था –दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी : परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पन्त : जीवन और साहित्य(2 भाग), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. मैथिलीशरण गुप्त- नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली खंड-3, संपादक-ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संसथान, नयी दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र- सं० हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2

COURSE CODE : BAHHINGE201

रचनात्मक लेखन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 . रचनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत।

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया – गद्य , पद्य में।

इकाई-2. रचनात्मक लेखन : भाषा संदर्भ।

अनौपचारिक-औपचारिक , मौखिक-लिखित , क्षेत्रीय ।

इकाई.3- कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई.4- कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान - केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान - बैकुंठनाथ

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2

COURSE CODE : BAHHINGE202

पटकथा तथा संवाद लेखन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई : 1. पटकथा : अवधारणा और स्वरूप

इकाई : 2. फ़ीचर फ़िल्म, टी. वी. धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

इकाई : 3. संवाद: सैद्धांतिकी और संरचना

इकाई : 4. फीचर फिल्म, टी.वी.धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन

सहायक ग्रंथ –

1.पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी

2.टेलीविजन का लेखन – असगर वजाहत

3.कथा-पटकथा – मन्नू भंडारी

4.रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर

MIL Hindi B.A. 2ND SEM. FOR All Hons. and Programme

AECC -2 & AECC – 2 (Elective)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई 1 – कविता :-

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन -बातें – (kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय – आपकी हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी - अपराजिता (kavitakosh.org)

इकाई-2 कहानी :-

प्रेमचंद- नशा (मानसरोवर भाग-1)

शिवमूर्ति – सिरी उपमा जोग (www.hindisamay.com)

इकाई-3. निबंध :-

भारतेंदु- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है ? (www.hindisamay.com)

राहुल सांकृत्यायन – स्त्री घुमक्कड़ (घुमक्कड़ शास्त्र-राहुल सांकृत्यायन)

इकाई-4. व्यंग्य :-

हरिशंकर परसाई – भारत को चाहिये जादूगर और साधु (वैष्णव की फिसलन-हरिशंकर परसाई)

ज्ञान चतुर्वेदी - मूर्खता में ही होशियारी (www.hindisamay.com)

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
7. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-5

COURSE CODE : BAHHINC301

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषा :परिभाषा, भाषा और बोली | भाषा विज्ञान:सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग,अध्ययन की पद्धतियाँ |

इकाई-2:ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई- 3 :हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ,सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास ।

इकाई-4: हिंदी के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा,राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :

6- भाषा विज्ञान प्रवेश एंव हिंदी भाषा—डॉ.भोलानाथ तिवारी
7- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्र नाथ शर्मा
8- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ.भोलानाथ तिवारी

10-हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
11-प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
12-प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
13-व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
14-मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
15-मानक हिंदी स्वरूप और संरचन—डॉ.रामप्रकाश
16-परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-6

COURSE CODE : BAHHINC303

छायावादोत्तर हिंदी कविता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: दिनकर – रश्मिरथी(तृतीय सर्ग)
अज्ञेय- कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप।

इकाई-2: मुक्तिबोध—चाँद का मुँह टेढ़ा है।
नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूँ, बहुत दिनों के बाद।

इकाई-3 : धूमिल- रोटी और संसद, गाँव।
रघुवीर सहाय- आत्महत्या के विरुद्ध, खड़ी स्त्री।

इकाई- 4: अरुण कमल- अपनी केवल धार , पुतली में संसार।
अनामिका- जनम ले रहा है एक नया पुरुष-1 , नमक।

संदर्भ ग्रंथ :

1- मुक्तिबोध का रचना संसार- सं.गंगा प्रसाद विमल
2- गजानन माधव मुक्तिबोध-सं. लक्ष्मण दत्त गौतम

3- मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कवित—लल्लन राय
4- अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
5- कविता के नये प्रतिमान-- नामवर सिंह
6- अज्ञेय :- सं. विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
7- नागार्जुन की काव्यप्रक्रिया—अशोक चक्रधर
8- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य – हुकुमचंद्र राजपाल
9- नागार्जुन का रचना संसार—विजय बहादुर सिंह
10-रघुवीर सहाय का कवि कर्म—सुरेश शर्मा
11-रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन—मीनाक्षी
12-समकालीन कविता और धूमिल—मंजुल उपाध्याय
13-समकालीन हिंदी कविता—विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
14-कविता के देशकाल—मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
15-कविता का समकालीन प्रमेय—अरुण होता

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-7

COURSE CODE : BAHHINC303

हिंदी नाटक और एकांकी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

नाटक :-

इकाई-1:ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई-2:आधे-अधूरे—मोहन राकेश

इकाई-3: बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

एकांकी:-

इकाई-1 : सूखी डाली—उपेंद्रनाथ अश्क

इकाई-2: औरंगजेब की आखिरी रात- राम कुमार वर्मा

इकाई-3: स्ट्राइक- भुवनेश्वर

संदर्भ ग्रंथ :

1- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच-नेमिचंद्र जैन

2- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचन—गोविंद चातक

3- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच—जयदेव तनेजा
4- हिन्दी नाटक- जयदेव तनेजा
5- हिंदी एकांकी उद्भव और विकास—डॉ. रामचरण महेंद्र
6- हिंदी एकांकी—सत्येंद्र
7- एकांकी और एकांकी—डॉ. सुरेंद्र यादव

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : GE-3
COURSE CODE : BAHHINGE301

(क) अनुवाद

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा , स्वरूप और क्षेत्र।

इकाई2-. भारत में अनुवाद की परम्परा।

इकाई -3. अनुवाद : प्रकृति और प्रकार , अनुवाद : महत्त्व और सीमाएँ।

इकाई-4. समतुल्यता का सिद्धांत और अनुवाद |

संदर्भ ग्रंथ:-

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. डॉ. नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – कुमार सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम – मा. गो. चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी
4. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि – भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकश खेमाज
6. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : GE-3
COURSE CODE : BAHHINGE302

(ख) पत्रकारिता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

इकाई .2-प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई3-. इलेक्ट्रानिक| माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई4-.साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता |

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

2. समाचार, फिचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी

6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेंद्र गुप्त

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1

COURSE CODE : BAHHINSEC301

विज्ञापन और हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: विज्ञापन की परिभाषा

इकाई-2 : विज्ञापन के प्रकार और उद्देश्य

इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग

इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

4- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
5- मीडिया लेखन—डॉ.यू.सी. गुप्ता
6- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ.यू.सी. गुप्ता
7- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
8- जनसम्पर्क, स्वरुप और सिद्धांत—डॉ.राजेंद्र प्रसाद

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1
COURSE CODE : BAHHINSEC302

सोशल मीडिया

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 : इंटरनेट

इकाई-2 : विकीपीडिया

इकाई-3 : यू ट्यूब

इकाई-4 : फेसबुक

संदर्भ ग्रंथ :

1- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
2- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
3- जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-8

COURSE CODE : BAHHINC401

प्रयोजनमूलक हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र।

इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा,परिपत्र , अधिसूचना ।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियां।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-9

COURSE CODE : BAHHINC402

हिंदी उपन्यास

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद

इकाई-2: मैला आंचल—फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी

इकाई- 4 :ग्लोबल गाँव के देवता-- रणेंद्र

संदर्भ ग्रंथ :

17-प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
18-प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
19-प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
20- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
21-हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा—रामदरश मिश्र
22-आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
23-उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
24-हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
25-उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
26-प्रेमचंद के उपन्यसों का शिल्प विधान—कमल किशोर गोयंका
27-मैला आंचल – मधुरेश
28-फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-10

COURSE CODE : BAHHINC403

हिंदी कहानी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 : प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

इकाई-2 जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-3 जैनेंद्र - पत्नी

इकाई-4 उषा प्रियंवदा- वापसी

इकाई-5 निर्मल वर्मा - परिंदे

इकाई-6 अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-7 उदय प्रकाश - दरियाई घोड़ा

इकाई-8 अज्ञेय - शरणदाता

इकाई-9 ओम प्रकाश वाल्मीकि - सलाम

इकाई-10 संजीव – घर चलो दुलरी बाई

संदर्भ ग्रंथ --

1) मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद

2) प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद

3) प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र

4) सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा

5) प्रतिनिध कहानियाँ - निर्मल वर्मा

6) प्रतिनिधि कहानियाँ - अमरकांत

7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिंहा

8). हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इंद्रनाथ मदान

9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह

10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव

11). नयी कहानी संदर्भ और प्राकृति – देवीशंकर अवस्थी

12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय

14). दलित साहित्य : बुनियाद सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल

15). यसपाल – मधुरेश

16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : GE-4

COURSE CODE : BAHHINGE401

(क) हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषाओं का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई-2 : हिंदी का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई- 3 : जनमाध्यमों में हिंदी।

इकाई- 4: 21 वीं सदी में हिंदी की चुनौतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य – वेद प्रकाश उपाध्याय
2. हिंदी का विश्व संदर्भ – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
3. हिंदी भाषा के बढ़ते कदम – ऋषभ देव शर्मा
4. वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य –मुनीष कुमार
5. वैश्विक परिदृश्य में आज का भारत : समकालीन विमर्श के विविध सरोकार – वीरेंद्र सिंह यादव

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : GE-4

COURSE CODE : BAHHINGE402

(ख) हिंदी भाषा शिक्षण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत ।

इकाई-2: हिंदी भाषा शिक्षण की विधियाँ।

इकाई-3: हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन एवं उपयोगिता।

इकाई-4: व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. मीडिया और बाज़ारवाद – सं. रामशरण जोशी
3. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार – एन. आर. स्वरूप सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण – बी. एल. श्रमा एवं बी. एम. सक्सैना
5. हिंदी शिक्षण – रामसकल पाण्डेय
6. शिक्षण की तकनीकी – एन. आर. स्वरूप सक्सेना , एम. सी. ओबराय
7. शिक्षा सिद्धांत – एन. आर. स्वरूप सक्सेना

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : SEC-2

COURSE CODE : BAHHINSEC401

(क)सम्भाषण कला

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3. अच्छे वक्ता के गुण

इकाई- 4. प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
3. आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
4. अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : SEC-2

COURSE CODE : BAHHINSEC402

कार्यालयी हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरुप

इकाई :2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध्दसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याऐं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
3. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
5. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-11

COURSE CODE : BAHHINC501

भारतीय काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक :		**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :		**= 10**

इकाई-1 काव्य लक्षण,काव्य – हेतु , काव्य प्रयोजन।

इकाई-2 शब्द शक्तियाँ – अभिधा , लक्षणा , व्यंजना।

इकाई-3 रस-सिद्धांत : रसांग , रस-निष्पत्ति , साधारणीकण ।

इकाई-4 रसेतर सिद्धांत : इतिहास और परिचय , अलंकार , ध्वनि , रीति।

संदर्भ ग्रंथ--

1. भारतीय साहित्य शास्त्र—गणेश त्र्यंबक देशपांडे
2. काव्यशास्त्र- भागीरथ मिश्र
3. रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. भारतीय साहित्य शास्त्र(दोनों भाग) - बलदेव उपाध्याय
6. रस सिद्धांत – नगेंद्र
7. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोला शंकर व्यास

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-12

COURSE CODE : BAHHINC502

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1- प्लेटो : काव्यलोचन , अरस्तू : अनुकरण , विरेचन , त्रासदी।

इकाई2-. लोंजाइनस : उदात्त , वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा।

इकाई3-. टी.एस. इलिएट : निर्वैयक्तिकता , वस्तुनिष्ट समीकरण एवं आई. ए. रिचर्डस का मूल्य-सिद्धांत एवं संप्रेषण-सिद्धांत।

इकाई4-. स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद।

संदर्भ ग्रंथ—

1. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा
3. भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र चिंतन – निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – शांति स्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – सावित्री सिन्हा
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र सिद्धांत और वाद – सं. नगेंद्र
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – निर्मला जैन एवं डॉ. कुसुम भाँठिया

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE501

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा तथा विशेषताएँ।

इकाई-2 : स्त्री विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में स्त्री विमर्श।

इकाई-3: दलित विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में दलित विमर्श।

इकाई-4: आदिवासी विमर्श की अवधारणा, साठोत्तरी गद्य साहित्य में आदिवासी विमर्श।

संदर्भ ग्रंथ--

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास—राधा कुमार
2. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श—जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. स्त्री मुक्ति का सपना—वसुधा विशेषांक(2014)
4. उपनिवेश में स्त्री—प्रभा खेतान
5. स्त्री स्मिता का प्रश्न—सुभाष सेतिया
6. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—शरण कुमार लिम्बाले
7. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—ओमप्रकाश वाल्मीकि
8. दलित विमर्श की भूमिका—कंवल भारती

9. दलित दर्शन—रमणिका गुप्ता
10. दलित लेखन का अंतर्विरोध—डॉ. रामकली सर्राफ
11. आदिवासी लोक- रमणिका गुप्ता

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE502

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1- रंगमंच की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणाएँ और इतिहास।

इकाई2- हिंदी साहित्य में रंगमंच की उपस्थिति और उसका विस्तार।

इकाई3- पाश्चात्य साहित्य में रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई 4- आषाढ़ का एक दिन एवं आठवाँ सर्ग का रंगमंच की दृष्टि से विश्लेषण- विवेचन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेन्द्र

2.हिन्दी एकांकी शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

3. समानांतर – रमेशचंद्र शाह

4. धर्मवीर भारती ग्रंथावली - सं. चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. रंगमंच के सिद्धांत – सं. महेश आनंद , देवेंद्र राज अंकुर
6. रंगमंच का जनतंत्र – हृषीकेश सुलभ

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE503

हिन्दी व्याकरण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: संधि तथा समास, क्रियाविशेषण ।

इकाई-2 : शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

इकाई-3: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द , विराम चिह्न।

इकाई-4: छंद (चौपाई,दोहा कवित्त , सवैया, छप्पय) , अलंकार (अनुप्रास , यमक , श्लेष, रूपक,उत्प्रेक्षा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

1- हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
2- हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
3- हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
4- शुद्ध हिंदी कैसे लिखें - आर. पी. सिन्हा
5- शुद्ध हिंदी - हदेव बाहरी
6- काव्य शास्त्र – भगीरथ मिश्र
7- काव्यांग पारिजात : डॉ. हरिचरन शर्मा
8- अलंकार मुक्तावली : देवेंद्रनाथ शर्मा
9- साहित्य-शास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE504

पुस्तक समीक्षा

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. समीक्षा की अवधारणाएँ , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई2-. हिंदी साहित्य में पुस्तक समीक्षा का इतिहास ।

इकाई3-. पुस्तक समीक्षा के प्रतिमान।

इकाई4- किसी एक पुस्तक की समीक्षा : --

1. अकाल में सारस : केदार सिंह

   अथवा

2. त्यागपत्र : जैनेंद्र कुमार

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी गद्य का विकास - रामचंद्र तिवारी
3. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम, प्रभात रंजन
4. केदारनाथ सिंह विशेषांक – पाखी , जून-2018 (सं. प्रेम भरद्वाज)

5. जैनेंद्र साहित्य और समीक्षा – राम रतन भटनागर
6. केदारनाथ सिंह : चकिया से दिल्ली – सं. कामेश्वर सिंह

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE505

भारतीय साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भारतीय साहित्य का स्वरूप : आध्ययन की समस्याएँ।

इकाई-2 : भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।

इकाई-3: भारतीयता का समाजशास्त्र ।

इकाई- 4 : हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

संदर्भ ग्रंथ :

1- भारतीय साहित्य—डॉ. नगेंद्र
2- भारतीय साहित्य की भूमिका—रामविलास शर्मा
3- भारतीय साहित्य आशा और आस्था—डॉ. आरसु
4- तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिपेक्ष्य – इंद्रनाथ चौधरी
5- भारतीय साहित्य की पहचान - सं. सियाराम तिवारी, वाणी
6- भारतीय साहित्य - रोहिताश्व

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-13

COURSE CODE : BAHHINC601

हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. रामचंद्र शुक्ल – भय , हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल।

इकाई-2. विद्यानिवास मिश्र – बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं , रामविलास शर्मा – निराला का अपराजेय व्यक्तित्व।

इकाई-3. महादेवी वर्मा – गूँगिया , राहुल सांकृत्यायन – विद्या और वय।

इकाई-4 मैत्रेयी पुष्पा – कस्तुरी कुंडल बसै (रे मन जाह , जहाँ तोहि भावे) , फणीश्वर नाथ रेणु – सरहद के उस पार।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ – डॉ. हरिमोहन
3. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास – नंदकिशोर नवल
4. हिंदी के रेखाचित्र – माखनलाल शर्मा
5. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-14

COURSE CODE : BAHHINC602

हिंदी आलोचना

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई .1-हिंदी आलोचना का प्रारम्भ और द्विवेदीयुगीन आलोचना।

इकाई . 2-आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना ।

इकाई 3- शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना : हजारीप्रसाद द्विवेदी , नंददुलारे वाजपेयी।

इकाई.4- प्रगतिशील आलोचना की प्रवृतियाँ और रामविलास शर्मा , नामवर सिंह।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल
3. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश
5. आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE601

लोक-साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. लोक साहित्य की अवधारणाएँ , स्वरूप तथा विशेषताएँ।

इकाई-2. लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य।

इकाई-3. हिंदी साहित्य विविध विधाओं (कविता एवं कहानी) में लोक और उसकी उपस्थिति।

इकाई-4. लोक साहित्य : वर्तमान और भविष्य।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी लोक साहित्य : सिद्धांत और विकास- डॉ. अनसूया अग्रवाल
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. शिवराम शर्मा
3. लोक- सं. पीयूष दईया
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. परम्परा और परिवर्तन - श्यामाचरण दुबे
6. लोकजीवन और साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा
7. लोकसंस्कृति और इतिहास – बद्रीनारायण
8. ग्राम गीत : रामनरेश त्रिपाठी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE602

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. उपन्यास : संस्कार (यू. आअर. अनंतमूर्ति)।

इकाई-2. कहानी : युद्ध , जनाजा (शानी)।

इकाई-3. निबंध : साहित्य का तात्पर्य , सभ्यता का संकट (रवींद्रनाथ ठाकुर)।

इकाई-4. आत्मकथा: अक्करमासी के कुछ अंश (शरण कुमार लिम्बाले)।

संदर्भ ग्रंथ -

1. अक्करमासी - शरणकुमार लिम्बाले
2. प्रतिनिधि कहानियाँ – शानी
3. संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति
4. रवींद्र रचना संचयन – सं. असित कुमार बंधोपाध्याय

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE603

हिंदी सेवी संस्थाओं का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को किसी एक हिंदी सेवी संस्था का सर्वेक्षण करना होगा तथा 5000 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी।

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE604

हिंदी भाषी समाज का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें न्यूनतम दस परिवार आते हों , का सामाजिक , सांस्कृतिक ,ऐतिहासिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए 5000 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी।

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE605

हिंदी रंगमंच

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. हिंदी रंग चिंतन की शुरूआत , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई-2. हिंदी रंग चिंतन की परम्परा : सैद्धांतिक रचनाकार।

(भारतेंदु , प्रसाद, मोहन राकेश , भीष्म साहनी)।

इकाई-3. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र : नाट्यलेख , निर्देशन , प्रेक्षागृह और दर्शक।

इकाई-4. नाट्य- समीक्षा : ध्रुवस्वामिनी और कोणार्क।

संदर्भ ग्रंथ

1. रंगमंच के सिंद्धात – सं. महेश आनंद , देवेंद्र राज अंकुर
2. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेंद्र राज अंकुर
3. नाट्य दर्पण—मोहन राकेश
4. रंगमंच का जनतंत्र—हृषिकेश सुलभ

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –I)

प्रथम पत्र (First Paper)

COURSE TYPE : CC-1

COURSE CODE : BAPHINC101

हिंदी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई : एक

काल विभाजन और नामकरण

आदिकालीन काव्य : पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ

इकाई : दो

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि

इकाई : तीन

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : चार

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ-रामस्वरूप चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
8. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
9. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरुप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स,नोएडा
11. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
12. आधुनिक साहित्य-नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
13. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. आधुनिक साहित्य का इतिहास-बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली
17. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी-नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. छायावाद-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
19. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
21. हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली
22. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
23. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
24. हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
25. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
26. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
27. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

28. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
29. सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
30. हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
32. हिंदी साहित्य का वस्तुनिश्ठ इतिहास(दो भाग)- डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –I)

अनिवार्य योग्यता सवर्धन पठ्यक्रम -1

COURSE TYPE : AECC-1 (Core)

COURSE CODE :

हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण(MIL-1)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1:

- काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय।
- उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

इकाई-2 :

- शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
- पल्लवन और संक्षेपण ।

इकाई-3:

- संप्रेषण की अवधरणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :

- अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

1- संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार

2- हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
3- हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
4- हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
5- रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –II)

COURSE TYPE : CC-3

COURSE CODE : BAPHINC201

मध्यकालीन हिंन्दी कविता

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाईकबीर :1-

-1 मोको कहां ढूढें बंदे, मैं तो तेरे पास में (1 – पद संख्या)

-2 संतन जात न पूछो निरगुनिया (2 - “)

-3 ऐसा लौ नहिं तैसा लौ)“(9-

4) मन ना रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा -“(66 -

-5 माया महा ठगिनी हम जानी (134-)

पाठ्य पुस्तककबीर -, हजारी प्रसाद द्विवेदी,

इकाईसूरदास : 2-

-1 सोभित कर नवनीत लिये (19- पद संख्या)

पाठ्य पुस्तक - सूर सुषमा नंद दुलारे वाजपेयी–

-2 अंखियां हरि पद संख्य) दरसन की भूखी–ा (42 -

.3 हमारे हरि हारिल की लकरी (52- पद संख्या)

. 4 संदेशो देवकी सों कहियो)पद संख्या (375

.5 उधो मोहि ब्रज बिसरत !

पाठ्य पुस्तकरामचंद्र शुक्ल आ0 – भ्रमरगीत सार -

इकाई 3:तुलसीदास

ऐसी मूढ़ता या मन की। (90 – पद संख्या)

अब लौ नसानी अब न नसैहौं।)"(105

केसव (111 - ") कहि न जाई का कहिये। !

ऐसो को उदार जग माहीं।)" (162 -

कबहुंक हौं यहि रहनि रहौंगों।)"(172 -

पाठ्य पुस्तक विनय पत्रिका - – तुलसीदास

इकाई – 4: बिहारी

.1मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई (1 -दोहा संख्या)

.2नीकी दई अनाकनी फीकी परी गुहारि (11- ")

.3तो पर वारौं उरबसी सुनि राधिके सुजान (25- ")

.4मंगल बिंदु सुरंगु मुखु ससि केसरि आड़ गुरु (42- ")

.5तंत्री नाद कबित्त रस सरस राग रति रंग (94- ")

.6या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ (121 - ")

7. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कामु (141- ")

.8 कनकु कनकु तैं सौ गुनी मादकता अधिकाई (192- ")

9 . स्वारथु सुकृतु न श्रम वृथा देखि विहंग विचार (300- ")

.10 बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाई (472- ")

पाठ्य पुस्तक - बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर

संदर्भ :

1.कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

.2कबीर – साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी

.3महाकवि सूरदास – रामचंद्र शुक्ल

.4सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा

.5गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल

.6तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

.7बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

.8बिहारी – ओमप्रकाश

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –II)

COURSE TYPE : AEC

COURSE CODE : MIL **AECC -2 & AECC – 2 (Elective)**

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई कविता - 1 –

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन बातें –(kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय आपकी – हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी अपराजिता –(kavitakosh.org)

इकाई कहानी – 2 –

प्रेमचंद मानसरोवर) नशा –, भाग (1 -

शिवमूर्ति) सिरी उपमा जोग –www.hindisamay.com(

इकाई निबंध – 3 –

भारतेंदु भारत –वर्षोन्नति कैसे हो सकती है ?) www.hindisamay.com(

राहुल सांकृत्यायन) घुमक्कड़-स्त्री –घुमक्कड़ शास्त्र (राहुल सांकृत्यायन –

इकाई व्यंग्य - 4 –

हरिशंकर परसाई –भारत को चाहिये – वैष्णव की फिसलन) जादूगर और साधु - हरिशंकर परसाई(

ज्ञान चतुर्वेदी) मूर्खता में ही होशियारी है –www.hindisamay.com(

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
7. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE TYPE : CC-5

COURSE CODE : BAPHINC301

आधुनिक हिंदी कविता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. जयशंकर प्रसाद

पेशोला की प्रतिध्वनि, झरना, जलद- आह्वान, बीती विभावरी जागरी, अरुण यह मधुमय देश हमारा, जगती की मंगलमयी उषा बन।

इकाई-2 : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

जागो फिर एक बार, गर्म पकौड़ी, भिक्षुक, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, राजे ने रखवाली की।

इकाई-3: सुमित्रानंदन 'पंत'

आ: धरती कितना देती है, ग्राम श्री, स्त्री, द्रुत झरो, छोड़ द्रुमो की मृदु छाया, प्रथम रश्मि।

इकाई- 4: अज्ञेय

मैंने आहुति बन कर देखा, सांप, उड़ चल हारील, कलगी बाजरे की, आंगन के पार द्वार खुले, नदी

के द्वीप

संदर्भ ग्रंथ:

1. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
2. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
3. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
5. मुक्तिबोध की काव्यप्रक्रिया : अशोक चक्रधर
6. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा

7. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
8. सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेंद्र
9. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ0 पन्ना

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE TYPE : SEC-1

COURSE CODE : **BAPHINSEC301**

हिंदी भाषा और संप्रेषण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. सम्प्रेषण के मूल तत्व:सम्प्रेषण का अर्थ, सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण का प्रयोजन, सम्प्रेषण की प्रक्रिया, सफल सम्प्रेषण, सफल सम्प्रेषण के अवरोध

इकाई-2 : उच्चरित और लिखित भाषा : उच्चरित भाषा की प्रकृति, लिखित भाषा की प्रकृति, उच्चरित और लिखित भाषा के भेद, उच्चरित और लिखित भाषा की विशेषताएँ, लिखित भाषा पर उच्चरित भाषा का प्रभाव

इकाई-3: आंशिक भाषा और सम्प्रेषण : हाव- भाव के प्रकार्य, हाव - भाव और भाषा में उसका स्थान , आंशिक भाषा शारीरिक प्रतिक्रियाएँ और स्थितियाँ , आंशिक सम्प्रेषण और भाषा

इकाई- 4: भाषिक कला के विभिन्न पक्ष : सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम, भाषा के विभिन्न पक्ष, भाषा के उपयोग , भाषा का व्यवहारिक पक्ष

संदर्भ ग्रंथ :

1.भारतीय संस्कृति एंव प्रभावशाली सम्प्रेषण – डॉ0 लोकेश जैन
2.लोक प्रशासन प्रबंधन एंव प्रभावी सम्प्रेषण – डॉ0 गिरिवर सिंह राठौर
3.व्यवसायिक सम्प्रेषण – अनुपचंदेर भयानी
4.शिक्षा में सूचना एंव सम्प्रेषण प्रद्योगिकी – आर. एस. चौहान
5.हिंदी भाषा एंव सम्प्रेषण – डॉ0 नाना अग्रवाल
6.भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7.आधुनिक भाषा विज्ञान – देवेंद्रनाथ शर्मा

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE TYPE : SEC-1

COURSE CODE : BAPHINSEC302

चलचित्र लेखन

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1:भारतीय सिनेमा का इतिहास , हिंदी की आरम्भिक मूक और सवाक फिल्में।

इकाई-2 : विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्में , लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद , प्रमुख निर्देशक एंव अभिनेता (दादा साहब पुरस्कार प्राप्त)।

इकाई-3: हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास , संवाद लेखन प्रणाली या प्राविधि , हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड फिल्में)।

इकाई-4: हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका , हिंदी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावहारिक प्रशिक्षण- देवदास (तीनों निर्मितियां) तथा शोले

संदर्भ ग्रंथ--

1. नई तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियों
2. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
3. **हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा**
4. नया सिनेमा - ब्रजश्वेर मदान
5. भारतीय सिने सिद्धांत- अनुपम ओझा
6. सिनेमा : कल, आज, कल- विनोद भारद्वाज

7 . हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष- प्रह्लाद अग्रवाल

8.सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –IV)

COURSE TYPE : CC-7

COURSE CODE : **BAPHINC401**

हिंदी गद्य साहित्य

अंक विभाजन	
प्रश्न	**अंक**

5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. कहानी - 1. बेटों वाली विधवा --- प्रेमचंद
2.सदाचार का ताबीज ---हरिशंकर परसाई

इकाई-2 : उपन्यास - दौर---ममता कालिया

इकाई-3: नाटक –अंधेर नगरी---भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई -4: आत्मकथांश - जूठन (भाग –1), पृ. सं.— 11 से 49 (हमारा घर चंद्रभान तगा के घेर से सटा हुआ....सुरजन और मैं नौवीं कक्षा में एक साथ थे। दोनों का सेक्शन भी एक ही था।)
\

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
2. हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा---रामदरश मिश्र
3. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास---इंद्रनाथ मदान
4. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना--- सम्पादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र--- ओम प्रकाश वाल्मीकि

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –IV)

COURSE TYPE : SEC-2

COURSE CODE : BAPHINSEC401

सम्भाषण कला

अंक विभाजन

प्रश्न		अंक
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3 :अच्छे वक्ता के गुण

इकाई- 4:प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

1- भाषण कला - महेश शर्मा

2- भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य

3- आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव

4- अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : DSE-1

COURSE CODE : BAPHINDSE501

(क) छायावादोत्तर हिंदी कविता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. अज्ञेय कलगी बाजरे की :, उड़ चल हारिल।

इकाई-2. नागार्जुन अकाल और उसके बाद :, प्रेत का बयान ।

इकाई-3. रघुवीर सहाय आपकी हँसी :, किताब पढ़कर रोना।

इकाई-4. केदार नाथ सिंह दाने :, पानी में घिरे हुए लोग।

संदर्भ ग्रंथ

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या **:** रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि **:** द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. शताब्दी के अंत में कविता मुक्तेश्वरनाथ तिवारी –
4. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ नामवर सिंह .सं -- :
5. केदारनाथ सिंह प्रतिनिधि कविताएँ परमानंद श्रीवास्ताव .सं -- :
6. नागार्जुन का रचना संसार विजय बहादुर सिंह :
7. रघुवीर सहाय का कवि कर्म सुरेश शर्मा :
8. रघुवीर सहाय का काव्य मीनाक्षी – एक अनुशीलन :
9. रचनाओं के बहाने मनोहर श्याम जोशी – एक संस्मरण :
10. समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ प्रसाद तिवारी :
14. कविता का देशकाल मुक्तेश्वरनाथ तिवारी :
15. कविता का समकालीन प्रमेय :अरुण होता

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : DSE-2

COURSE CODE : BAPHINDSE502

(ख)कबीर

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. कबीर जीवन और साहित्य। :

इकाई-2. कबीर की भक्ति।

इकाई-3. कबीर की क्रांतदर्शिता।

इकाई-4. कबीर (श्यामसुंदर दास से दो पद—कबीर ग्रंथावली) :

पद्य सं-.2तेरा तेरा झूठा मीठा लागा ., ताथैं साचे सूँ मन भागा, 4 -पाँडे कौन कुमति तोहि लागी, तूँ राम न जपहि अभागी।

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
2. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
3. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. अकथ काहानी प्रेम की पुरुषोत्तम अग्रवाल :

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : GE-1

COURSE CODE : BAPHINGE501

(क) रेखाचित्र तथा संस्मरण

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई 1-रेखाचित्र की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-2. महादेवी वर्मा अलोपी :, घीसा।

इकाई-3. संस्मरण की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-4. काशीनाथ सिंह दंतकथाओं में त्रिलोचन:, होल्कर हाउस में द्वेवेदी जी।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ : बैजनाथ सिंहल

2. हिन्दी के रेखाचित्र : मक्खनलाल शर्मा

3हिन्दी गद्य . : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

4. स्मृति की रेखाएं महादेवी वर्मा :

5.सम्बोधन)काशीनाथ सिंह विशेषांककमर मेवाडी-सं-(

6.बनास जन)काशीनाथ सिंह विशेषांकपल्लव-सं-(

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : GE-1

COURSE CODE : BAPHINGE502

(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी

(ग)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 :प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र :

इकाई-2: प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्ध-सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन , अनुस्मारक , निविदा, परिपत्र ,अधिसूचना आदि।

इकाई-3: कार्यलयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका ।

इकाई- 4 : कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी विनोद गोदरे –
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचारठाकुरदत्त आलोक—
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग दंगल झाल्टे—
4. राजभाषा हिंदीभोलानाथ तिवारी—

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : SEC-3

COURSE CODE : BAPHINSEC501

(क)सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

-

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	:	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	:	**= 10**

इकाई-1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत।

गद्य—भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया .(क) , पद्य में।

इकाई-2. सर्जनात्मक लेखन भाषा संदर्भ। :

औपचारिक-अनौपचारिक.(क) , मौखिक लिखित-, क्षेत्रीय।

इकाई-3. कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई-4. कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन :- सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान—केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया :- कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान :- बैकुंठनाथ

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE TYPE : SEC-3

COURSE CODE : BAPHINSEC502

(ख) अनुवाद विज्ञान

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा।

इकाई-2. अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्र।

इकाई-3. अनुवाद प्रकृति और प्रकार : |

इकाई-4. अनुवाद सीमाएँ और महत्त्व: |

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग नगेंद्र डॉ0 सं0 -
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा कुमार –, सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी गो0 मा0 –
4. अनुवाद कला कुछ विचार आनंद प्रकाश खेमाज –
5. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
6. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि भोलानाथ तिवारी –
7. अनुवाद विज्ञान की भूमिका कृष्ण कुम –ार गोस्वामी

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : DSE-3

COURSE CODE : BAPHINDSE601

(क) आधुनिक भारतीय कविता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. बांग्ला : रवींद्रनाथ ठाकुर – प्राण (अनूदित)। काजी नज़रुल इस्लाम – अगर तुम राधा होते (अनूदित) ।

इकाई-2. उडिया : सच्चिदानंद राउतराय – पहचानपत्र (अनूदित) । रमाकांत रथ – श्री राधा (अनूदित)।

इकाई-3. उर्दू : मिर्जा गालिब – कोई उम्मीद वर नजर नहीं आती(अनूदित) । फ़िराक़ गोरखपुरी – थरथरी सी है आस्मानों में। ज़ोर कुछ तो है नातवानों में ॥ (अनूदित)

इकाई-4. पंजाबी : पाश – सबसे खतरनाक होता है सपनों का मर जाना (अनूदित) । अमृता प्रीतम – धूप का टुकड़ा (अनूदित) ।

संदर्भ ग्रंथ

1. बीसवीं सदी की ओड़िया कविता यात्रा : सं. शंकर लाल पुरोहित
2. रवींद्र रचना संचयन : सं. असित कुमार बंधोपाध्याय
3. गालिब – अलि सरदार जाफरी
4. बीच का रास्ता नहीं होता – सं. चमनलाल
5. फ़िराक़ और उनकी शायरी – सं. प्रकाश पंडित

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : DSE-4

COURSE CODE : BAPHINDSE602

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. निराला : जीवन और साहित्य।

इकाई-2. निराला : काव्यात्मक प्रवृत्ति।

इकाई-3. निराला : प्रातिभा का विकास, स्वदेश प्रेम (निबंध)।

इकाई-4. . निराला : काव्य (स्नेह निर्झर बह गया है, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है) ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. निराला : आत्महंता आस्था :-- दूधनाथ सिंह
3. निराला की साहित्य साधना :-- रामविलास शर्मा
4. निराला :-- परमानंद श्रीवास्तव
5. निराला रचनावली :- सं. नंदकिशोर नवल

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : GE-2

COURSE CODE : BAPHINGE601

(क) हिंदी सिनेमा

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई-2. . हिंदी सिनेमा और समाज का अंतर्संबंध।

इकाई-3. फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम।

इकाई-4. . हिंदी सिनेमा : आज की भाषा ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्डा
2. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रकाशन विभाग
3. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रहलाद अग्रवाल
4. सिनेमा आज और कल : विनोद भारद्वाज
5. बहुवचन(हिंदी सिनेमा विशेषांक)-सं-अशोक मिश्र

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : GE-2

COURSE CODE : BAPHINGE602

(ख) कम्प्यूटर और हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. कम्प्यूटर : उद्भव और विकास।

इकाई-2. कम्प्यूटर और हिंदी : उपयोगिता , उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ।

इकाई-3. कम्प्यूटर और हिंदी : पत्रकरिता , प्रकाशन के नए आयाम।

इकाई-4. कम्प्यूटर और हिंदी : आनेवाले समय की आवश्यकता।

संदर्भ ग्रंथ

5- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
6- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
7- जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
8- मीडिया लेखन : डॉ. यू. सी. गुप्ता

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : SEC-4

COURSE CODE : BAPHINSEC601

(क) भाषा शिक्षण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत।

इकाई-2. भाषा शिक्षण की विधियाँ।

इकाई-3. हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन और उपयोगिता।

इकाई-4. व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र:- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
2. मीडिया और बाज़ारवाद:- सं.-रामशरण जोशी।
3. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार:- एन.आर. स्वरूप सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण :- बी० एल० शर्मा एवं बी०एम० सक्सेना

5. हिंदी शिक्षण :-रामसकल पाण्डेय।

6. शिक्षण की तकनीकी:- एन.आर. स्वरूप सक्सेना, एम.सी. ओबराय

7. शिक्षा सिद्धांत :- एन.आर. स्वरूप सक्सेना

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE TYPE : SEC-4

COURSE CODE : BAPHINSEC602

(ख) समाचार संकलन और लेखन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	:	**=40**
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	:	**= 10**

इकाई-1: समाचार की शुरूआत ,स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-2 : समाचार लेखन : स्वरूप, विशेषताएँ और प्रकार।

इकाई-3 : समाचार लेखन :परम्परा और आधुनिकता।

(प्रिंट पत्रकारिता से आधुनिक ई-पत्रकारिता तक)

इकाई :4 : समाचार संकलन और लेखन : नएपन की निरंतरता और चुनौतियाँ ।

संदर्भ :

1. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श :- सुधीश पचौरी
2. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान:- शालिनी जोशी , शिवप्रसाद जोशी
3. मीडिया समग्र :- जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. समाचार संपादन :- कमल दीक्षित , महेश दर्पण